ΣΕΛΕΥΚΟΣ

ΙΛΑΡΑ ΑΙΣΜΑΤΑ

κἀγὼ παιδοφιλήσω· πολύ μοι κάλλιον ἢ γαμεῖν·
παῖς μὲν γὰρ παρεὼν κἠν πολέμωι μᾶλλον ἐπωφελεῖ

οἷον παρ' Εὐφορίωνι τῶι Χερρονησιώτηι· [1—3] Choe-rob. ad l. p. 241 C. Πριάπειον δὲ ἐκλήθη, ἐπειδὴ Εὐφρόνιος ὁ γραμματικὸς ἐπὶ τῶν Πτολεμαίων ἐν Ἀλεξανδρείαι ἔγραψεν εἰς Πρίαπον τούτωι τῶι μέτρωι. . . . ἰστέον δέ, ὅτι τούτου τοῦ Εὐφρονίου γέγονεν ἀκροατὴς Ἀρίσταρχος ὁ γραμματικός, οὐ μόνον Ἀριστοφάνους τοῦ Βυζαντίου [-άνης ὁ Βυζάντιος ci. B.] cf. p. 236, 13 C. Διονυσιάδην καὶ Εὐφρόνιον τῆι Πλειάδι συντάττουσιν

Selevc. Athen. 15, 697^{d} (ὁ Σκήψιος Δημήτριος ἐν τῶι ἐννεακαιδεκάτωι τοῦ Τρωϊκοῦ Διακόσμου [fr. 13 Gaede]) Μνησιπτολέμου φησί ποτε τοῦ ἱστοριογράφου τοῦ παρὰ Ἀντιόχωι τῶι προσαγορευθέντι Μεγάλωι πλεῖστον ἰσχύσαντος υἱὸν γενέσθαι Σέλευκον τὸν τῶν Ἱλαρῶν ἀισμάτων ποιητήν· οὗπερ συνεχῶς ἄιδειν εἰώθασιν· [1. 2]

Hal. ad Pomp. 2 p. 6 Cleanth. fr. 548 v. Arnim (Pow., cui adsentitur Wil.[2]) cf. Διόνυσον Πρίαπον Lampsacenorum ap. Preller-Robert Gr. Mythol. 1[4], 736, 4, Δ. Φαλλῆνα Lesbiorum ap. Paus. 10, 19, 3 (cf. Herter RE XIX 1670 ss), ἐνόρχην Samiorum ap. Hesych. s. u. 3 Ar. uesp. 124 δ δ' ἀνεφάνη κνεφαῖος. sim. al. παρατέλμα A παρὰ λέτμα H παρὰ λαῖτμα I cf. Σιρβωνὶς λίμνη RE III A 287, 38 ss XIX 409, 21 ss

Selevc. cf. RE II A 1249, 36 Inscr. Magnes. ed. Kern Laqueur RE XV 2280 audis metrum Asclepiadeum maius primus Sol. fr. 12 2 cf. Be. RhM. 62 (1907), 444 ss Kroll RE XI 898 ss

ΑΠΟΚΕΚΛΕΙΜΕΝΗ

col. I

Ἐξ ἀμφοτέρων γέγον⟨εν⟩ αἵρεσις·
ἐζευγίσμεθα· τῆς φιλίης | Κύπρις
ἔστ' ἀνάδοχος· ὀδυνή μ' ἔχει,
ὅταν ἀναμνησθῶ, |
ὥς με κατεφίλει (ἐ)πιβούλως μέλλων
με καταλιμπάνειν, |
ἀκαταστασίης εὑρετὴς
χὠ τὴν φιλίην ἐκτικῶς. [
ἔλαβέ μ' Ἔρως,
οὐκ ἀπαναίνομαι {αὐτὸν ἔχους' ἐν τῆι διανοίαι}. |

Pap. Thebaic. saec. II a. Chr. ed. Grenfell An Alexandrian erotic fragment Oxf. 1896 p. 1 ss (fragm. Grenfellianum) cf. Grenfell et Hunt Greek papyri sec. ser. (Oxf. 1897) p. 209 ss Wil. GN 1896, 209 ss Crusius Phil. 55 (1896), 353 ss Herondae Mimiambi[5] p. 124 ss Schroe. Eur. Cantic. p. 178 s cf. H. J. M. Milne Catalogue of the Literary Papyri in the Brit. Mus. (London 1927) p. 37 nouissima Scottii recensione usus est Pow. l. c. uertit Kr. GrLG p. 351 s

de titulo: Ἀποκεκλειμένη inscr. Crus. (ex u. 27), qui Simo Magnesio (Athen. XIV 620^{d}, 13 Strab. 14, 1, 41 p. 648 [Σῖμος ὁ μελοποιὸς τὴν σιμωιδίαν εἰσαγαγών]) dedit. cf. RE III A 160. 191: Παρακλαυσίθυρον Pow. propter Pap. Tebtunit. ed. Grenfell et Hunt I p. 8 ss (Herond. Mimiamb. p. 135 ss Cr.[5]) Pap. Rylands I n. 15 ap. Pow. Collect. Alexandr. p. 200, 38 s). singula de analysi metrica exhibet Pow. p. 179, nota hiatus post u. 3. 4. 17. 24. 31. 33 s 38, syllabas ancipites in uersibus cadentibus 2. 12. 39. papyri paragraphos in textu adnotauimus cf. Kal. Metr. Jb. 257, 53 col. I 1 suppl. W. Scott αἵρεσις = φιλίη (2. 8) 1 s ἐξ ἀμφοτ. et ζευγίζειν uoces redeunt in LXX 3 ἀνάδοχος = *uas* Plut. uit. Dion. 18, 5 p. 965^{d}. 20, 1 p. 966^{bc} 4 αναμνησθω: pap. 5 με praeter necessitatem del. Scott 7 s sunt bini anapaesti et singuli cretici, non meri cretici, ut uoluit Pow., qui errauit (Wil.[2]) 7 ευρετης: pap. 7 s interpretatus est Maas Gn. 3 (1927) p. 691 8 και ο pap. ἐκτικῶς Diod. 15, 13, 4 quoque 9 ⟨μέγας⟩ ἔλαβε Schroe. 10 απαναιναμαι pap. m.[1] e corr. αὐτὸν—διανοίαι tanquam glos-

ἄcτρα φίλα καὶ πότνια Νὺξ cυνερῶcά μοι,
παρά|πεμψον ἔτι με νῦν, πρὸc ὃν {ἡ} Κύπριc
ἔκδοτον ἄγει με | χὠ
πολὺc Ἔρωc παραλαβών.
cυνοδηγὸν ἔχω | τὸ πολὺ πῦρ
τοὐν τῆι ψυχῆι μου καιόμενον.
ταῦτά ⌈ μ' ἀδικεῖ, ταῦτά μ' ὀδυνᾶι:

ὁ φρεναπάτηc,
ὁ πρὸ τοῦ | μέγα φρονῶν, καὶ ὁ τὴν Κύπριν οὐ
φάμενοc εἶναί μοι τοῦ (ἐ)ρᾶν αἰτίαν |
οὐκ ἤνεγκε νῦν
τὴν τυχοῦcαν ἀδικί⟨η⟩ν. |

μέλλω μαίνεcθαι· ζῆλοc γάρ μ' ἔχει,
καὶ κατακαίομαι | καταλελειμμένη.
αὐτὸ δὲ τοῦτό μοι τοὺc cτεφάνουc ⌈ βάλε,
οἷc μεμονωμένη χρωτιcθήcομαι. |
κύριε, μή μ' ἀφῆιc ἀποκεκλειμένην·
δέξαι | μ'· εὐδοκῶ, ζηλῶ δουλεύειν.
ἐπιμαν⟨ῶ⟩c ⟨ἐ⟩ρᾶν | μέγαν ἔχει πόνον,
ζηλοτυπεῖν γὰρ δεῖ, cτέγειν, | καρτερεῖν·

sema, quo hexameter efficitur, del. Scott **11** και: cυνερωcα ποτνια [illegible] νυξ pap. traiecerunt Pow. et Scott. cf. Meleagr. A.P. 5, 190 et 164 [illegible] Eur. Or. 174 πότνια Ν. **12** παράπεμψόν με νῦν (παρα-, προπέμψατε [illegible]) Scott παράπ. sponsae modo in thalamum ἡ del. Scott **13** και [illegible] pap. **15** cυνοδ. nouom **15 s** nota taedas nuptiales et epigr. cele[illegible]berrimum Valeri Aeditui ap. Gell. 19, 9, 12 de Veneris igne [illegible] ituro lucente et nulla ui opprimendo **16** το εν pap. **18** [illegible] φρ. cf. Et. Magn. 810, 53 Herodian. 2, 848, 27 L. **19** paragraphus [illegible] in papyro inter πρὸ τοῦ et μέγα φρονῶν alterum ὁ del. Wil. [illegible] utrumque Schroe. debuit χὠ **20** μοι (siue μετ) αιτιαν pap. [illegible] traiecit Pow. **21** οὐκ incertum -ε νῦν Wil. εμην fere pap. [illegible] ἀνήνεγκε olim Cr. **22** αδικιαν pap. em. Cr. **23** (32. 34) μαίνεσθαι [illegible] (μανία) de amore primus Anacr. 79. 34 **25 s** post 27 s traiecit [illegible] uolt Scott **26** cf. 36 **27** αποκεκλεικλειμενην pap. **28** ζηλωι pap. [illegible] em. Scott ex Eur. Androm. 133 ad ζηλῶ δουλ. cf. col. II 11 s [illegible] **29** επιμανουc οραν pap. corr. Rohde Diels ἐπιφανῶc [illegible]

ἂν δ' ἐνὶ προcκαθ⟨ῆ⟩ι, μόνον ἄφρων ἔcει: ⌈
ὁ γὰρ μονιὸc ἔρωc μαίνεcθαι ποιεῖ. |

γίνωcχ' ὅτι θυμὸν ἀνίκητον ἔχω,
ὅταν ἔριc | λάβηι με· μαίνομαι,
εἰ μονο|κοιτήcω,
cὺ δὲ χρωτίζεcθ' ἀποτρέχειc. |

νῦν ⟨δ'⟩ ἂν ὀργιcθῶμεν, εὐθὺ δεῖ
καὶ διαλ[λύεcθαι.
οὐχὶ διὰ | τοῦτο φίλουc ἔχομεν,
οἳ κρινοῦcι, | τίc ἀδικεῖ; |

col. II

νῦν ἂν μὴ ἐπι[ ] |
ἐρῶ, κύριε, τὸν [ ] |

νῦν μὲν οὔθ' ἐ[ ] |
πλύτηc ο[ ] ⌈
δυνήcομαι. [ ] |

κοίταcον, ἧc ἔχ[ειc] |
ἱκανῶc cοῦ ἐν [ ], |
κύριε, πῶc μ' ἀ[φῆιc] |
πρῶτόc μ' ἐπείρ[αcαc], ⌈
κύρι', ἂν ἀτυχ[ῆι]c, οὐ [ ] |

Scott **30** 'nolim cτέργειν' Pow. **31** εαν et προcκαθει pap. em. Wil. μόνον, ἄφρων Wil. Pow. **32** γὰρ del. Wil., qui μονιὸc δ' ὁ δὲ μονιὸc Rohde ὁ γὰρ μονιὸc Pow. μονιὸc dicitur de bestiis, nam Ἔρωc est γλυκύπικρον ὄρπετον **34** post μαινομαι: οταν αναμνηcθωμαι, pap. primitus, deinde -cωμαι, -cωμει tamquam glossema e u. 4 deleuerunt Wil. Schroe. Scott **35** μονοκοιτοῦμεν de militibus Ar. Lysistr. 592 ἔγω δὲ μόνα κατεύδω dixit Sapph. 94, 4 **36** cf. 26 **37** ⟨δ'⟩ Pow. ανοργιcθωμεν pap. interpretati sunt Diels Wil. ἀνοργιcθῶμεν Grenfell Cr. col. II **2** πλύτηc = πλύντηc (Polluc. 7, 37) an = πλυτῆc? **6** cf. Hesych. κοιτάcαι· κατακοιμῆcαι ἧc ἔχ[ειc cῶμά τε καὶ ψυχήν] Cr. **8** e u. 27 suppl. Cr. κύριε, et πῶc μ' ἀ[φῆιc duo uersus statuens Pow. 'nonne ἀφήcειc?' Kal. **10** κυριοναουχ pap. em. Cr.

ὀπυασώμεθα· ἐμῶν [..]εδε[.... ἐπι]- |
τηδείως αἰσθέσθω μ[..] ταν[ ]. |

ἐγὼ δὲ μέλλω ζηλοῦν τω[ ] |
δουλ[ευ...] τ᾽ ἄν· διαφοροῦ: ἢ [ ] [
ἀνθρ[ώπου]ς ἀκρίτως θαυμάζεις |
με[ ]φ[ο]ρη· προσίκου δ᾽ ὡ[ ] |
θαυ[μα ὡ]χρί⟨η⟩ν κατεῖδεν ὁ [ ] |
σχω[ ]τωι τοιντα η ἐτυ[ ] |
κου[ρ ἐ]νόσησα νηπία· σὺ δέ, κύρ[ιε], [
και[ ] [καταλελει]μμέν[ην] |

λελάλ[ηκ᾽ ἐγὼ πε]ρὶ ἐμὴν [ψυχήν].

---

11 οπυασθωμεθα pap. em. Pow. ὀπυὰς θώμεθα Crus. Gasello [illegible] nouom siue εμην pap. 13 s cf. 1, 28, unde ευ addidi, [illegible] 17 χριαν pap.: suppl. et em. Pow. (cf. 19 ἐνόσησα) 19 κου[ρ] scripsi 20 ex 1, 24 suppl. Pow., qui ex. gr. pergit [κλύοις, κύριε, [illegible] 20 in. ex 1, 24 in. potes και[ομένην καὶ] quoque 21 suppl. Pow. [illegible] Aesch. Eum. 114 ἔλεξα τῆς ἐμῆς περὶ ψυχῆς cf. Eur. Hel. [illegible] Heraclid. 984 finem carminis esse censet Grenfell

ΕΛΕΝΗΣ ΘΡΗΝΟΣ

p. 185 P.

Ὦ φανεὶς χάρμα μοι α´
φίλ⟨ι⟩ον, ὅτ᾽ ἔμ᾽ ἠγάπας,
ὅτε δόρατι πολεμίωι
τὰν Φρυγῶν
πόλι⟨ν⟩ ἐπόρθεις, μόν⟨ον⟩
τἀμὰ κομίσαι θέλων
λέχεα πάλιν εἰς πάτραν.
νῦν δὲ μούναν μ᾽ ἀφ⟨ε⟩ὶς β´
ἄλοχον, ἄ⟨σ⟩τοργ᾽, ἄπεις,
ἣν Δαναΐδ⟨ᾶ⟩ν λόχος
⟨μετ⟩έμολεν,
ἧς ἕνεκα παῖδα τὰν
ἄγαμον ⟨ε⟩ἶλ᾽ Ἄρτεμις
σφάγιον Ἀγαμέμνονι.

Pap. Tebtun. ed. Grenfell et Hunt uol. I (1902) 1 p. 2 s a. fere 100 a Chr. scr.

---

carmen est systematis cretici 1 φανης pap. iam Ξ 325 [illegible]ώνυσον ... χάρμα βροτοῖσιν P 636 al. 2 φίλον pap. corr. Pow. metri gratia 3 Soph. Ai. 1013 τὸν ἐκ δορὸς γεγῶτα πολεμίου [illegible]ον 5 πολι et μονα pap. corr. Pow. metri gratia 6 τα αμα [illegible] 8 s res fere noua 8 αφις pap. 9 αρτοργε pap. [illegible] δαναιδην pap. λόχος significationis ancipitis 11 suppl. Pow. [illegible]com nouam), sed una deest syllaba ἔμολεν ⟨Ἀρήιος μέτα⟩ Wil. ad Timoth. Pers. p. 82 13 αγαμεμνον pap. e u. 14: corr. [illegible]tor. (cf. Aesch. Suppl. 143 ἄγαμον ἀδάματον) ιλε pap. 14 τὸν [illegible]ιον pap. em. edit. σφ. primus de hominibus Eur. Or. 842 [illegible] 109. 119 al.